पद १४२

(राग: यमन जिल्हा - ताल: त्रिताल)

धनुख बान लीनो सियारघुबीर ।।ध्रु.।। रूप सुंदर माथे मुगुट बिराजे। खैंचे कमान कोमल शरीर ।।१।। मानिक कहे प्रभु देख भूप। करे अपमान जो नर।।२।।